(प्रपत्र–समस्त परीक्षार्थियों के लिए)

विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन

नि./स्वा.

नामांकन हेतु आवेदन–पत्र

नोटः– अर्हतादायक परीक्षा तथा अन्तिम (उत्तीर्ण या अनुतीर्ण) परीक्षा की अंकसूचियों की प्रमाणित प्रतिलिपि अवश्य संलग्न करें

सेवा में,
कुलसचिव,
विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन ।

महोदय,

निम्नांकित विवरण प्रस्तुत करते हुए निवेदन है कि मुझे विक्रम विश्वविद्यालय के विद्यार्थी के रुप में नामांकित करने की कृपा करें

1. परीक्षार्थी का पूरा नाम (अर्हतादायक परीक्षा की अंकसूची के अनुसार) (हिन्दी में) श्री/श्रीमती/कुमारी .....
2. प्रार्थी का पुरा नाम (अंग्रेजी में).....
3. पिता का नाम.....
4. माता का नाम.....
5. जन्मतिथि.....6. महाविद्यालय में प्रवेश की तिथि.....
7. अर्हतादायक परीक्षा का नाम..... अनुक्रमांक..... उत्तीण करने का वर्ष.....
   विश्वविद्यालय अथवा शिक्षा–मण्डल का नाम.....
8. विद्यार्थी विश्वविद्यालय की किस परीक्षा में सम्मिलित होना चाहता है.....
9. वांछित विषय/प्रश्नपत्र.....
10. इसके पूर्व अन्तिम शिक्षा प्राप्ति का विवरण.....
11. प्रव्रजन–पत्र संलग्न करने सम्बन्धी विवरण .....
12. घर का पता.....
    .....

अग्रेसित

.....
(प्राचार्य के हस्ताक्षर एवं महाविद्यालय की मुद्रा)
दिनांक.....

भवदीय

.....
(परीक्षार्थी के हस्ताक्षर)
.....कक्षा का छात्र
कृ.पृ.उ.

(विश्वविद्यालय कार्यालय में पूर्ति की जाय)

..... रुपये शुल्क प्राप्त हुआ तथा पंजी में क्रमांक..... पर दिनांक.....को अंकित हुआ ।

नामांकनांक.....
पर विद्यार्थी विक्रम विश्वविद्यालय, का छात्र नामांकित हुआ

कोषपाल
दिनांक.....

कुलसचिव
दिनांक.....

टिप्पणी – स्वाध्यायी/नियमित परीक्षार्थी को नामांकन–पत्र के पृष्ठ भाग पर अपना वह पता लिखना चाहिए जहाँ उसे नामांकन प्रमाण–पत्र भेजा जाय।

(नामांकनांक के अतिरिक्त अन्य पूर्तियाँ विद्यार्थी करें।)

विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन

नामांकन प्रमाण–पत्र

श्री/श्रीमती/कुमारी..... आत्मजा/आत्मजा

श्री.....को जो.....महाविद्यालय.....

के /की छात्र/छात्रा है विक्रम विश्वविद्यालय नामांकनांक.....पर नामांकित किया।

विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन

कुलसचिव

(नोटः– फार्म राशि रू. 10/– शुल्क के साथ अतिरिक्त जोड़े)

13. नामांकन शुल्क 100 रूपये प्रार्थना–पत्र के साथ प्रेषित है।
14. मै आव्रजक हूँ अतः आव्रजन शुल्क 200 रूपये प्रेषित है/में आव्रजक नहीं हूँ।

*यदि नियमित विद्यार्थी के लिए 30 सितम्बर के बाद आवेदन एवम् प्रवजन प्रमाण–पत्र प्रस्तुत किया है तो उसे पच्चीस रूपये विलम्ब–शुल्क देय होगा।

टिप्पणी :– 1. चिकित्सा, आयुर्वेद एवम् यांत्रिकी संकायों में प्रविष्ट विद्यार्थीयों के आवेदन–पत्र कुलसचिव के पास प्राप्ति की तिथि 31दिसम्बर निर्धारित है।

2. जो विद्यार्थी किसी अन्य विश्वविद्यालय से अथवा माध्यमिक शिक्षा–मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल से भिन्न किसी इण्टरमीडिएट बोर्ड से आव्रजन कर रहे हैं, उन्हें विक्रम विश्वविद्यालय के छात्र के रूप में तभी नामांकित किया जायेगा जब वे इस प्रार्थना–पत्र के साथ मूल प्रवजन प्रमाण–पत्र एवम् मूल पात्रता प्रमाण–पत्र भी प्रस्तुत करेगे।

3. जो परीक्षार्थी इस विश्वविद्यालय में पहले से ही नामांकित हैं, उन्हें नामांकन–प्रपत्र भरने की आवश्यता नहीं है।

जिन परीक्षार्थीयों से प्रवजन–पत्र अपेक्षित हैं, तथा मध्यप्रदेश के बाहार के विश्वविद्यालय से परीक्षा उत्तीर्ण की है तो उनसे 200 रूपये प्रति परीक्षार्थी आव्रजन–शुल्क प्राप्त करके नामांकन–पत्रों के साथ इस कार्यालय को नियमानुसार निर्धारित शुल्क और पात्रता प्रमाण–पत्र नामांकन पत्र के साथ भेजा जाय। मध्यप्रदेश के विश्वविद्यालयों से आने वाले छात्रों को प्रवजन प्रमाण–पत्र और पात्रता प्रमाण–पत्र प्रस्तुत करना अनिवार्य हैं।

30 सितम्बर के पश्चात् भेजे गये नामांकन–पत्रों के साथ में प्रति परीक्षार्थी 100रूपये शुल्क(100 रूपये नामांकन शुल्क तथा 25 रूपये विलम्ब शुल्क भेजा जाय और जिन परीक्षार्थीयों ने प्रवजन प्रमाण–पत्र विलम्ब से प्रस्तुत किया हैं उसने नामांकन, आव्रजन शुल्क के अलावा 2 रूपये प्रवजन–पत्र विलम्ब से प्रेषित करने कर शुल्क लेकर भेजा जाय।

देखा गया है कि कभी–कभी विश्वविद्यालय की पूर्व अनुमति के बिना नियमित/स्वाध्यायी परीक्षार्थी नामांकन पत्र की पूर्ति के समय अपने नामों में परिवर्तन कर देते हैं। नामांकन–पत्रों में उनके नाम वही होना चाहिए जो अर्हतादायक परीक्षा की अंकसूची में दिए हों।

4. यदि नामांकन–पत्र के सभी स्तम्भ पूर्ण रूप से भरे हुए नही होंगे तो उसके लिए विश्वविद्यालय कोई पत्र व्यवहार नही करेगा एवम् किसी भी प्रकार की हानि परीक्षार्थी को होगी उसका उत्तरदायित्व स्वयं परीक्षार्थी का होगा।

5. जिन परीक्षार्थीयो ने सेन्ट्रल बोर्ड ऑफ सेकण्डरी एज्युकेशन, दिल्ली से 10+2 परीक्षा उत्तीर्ण की है केवल नामांकन शुल्क रू 100/– आव्रजन शुल्क रू.200/– कुल रूपये 300/– वि. वि. कार्यलय में जमा करावें।

भारत शासन सेवार्थ

प्रेषक:

कुलसचिव,
विक्रम विश्वविद्यालय,
उज्जैन.

प्रति,

.....

.....

.....